an>

Title: Need to start operation of morning and evening flights from Delhi and Mumbai to Jodhpur and introduce flights from Jodhpur to Chennai and Bengaluru.

श्री पी.पी.चौधरी (पाली) : मैं सरकार का ध्यान पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर शहर की ओर आकर्षित करते हुए बताना चाहूँगा कि वर्तमान में पश्चिमी राजस्थान के लिए केवल जोधपुर हवाई अड्डा ही एकमात्र हवाई अड्डा है। जोधपुर हवाई अड्डा बहुत पुराना हवाई अड्डा है। कई सालों पहले यहाँ से विदेशों तक हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध थी।

जोधपुर सहित इस संभाग में आने वाले जिले पाली, नागौर, जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर एवं सिरोही आदि जिलों में बसने वाले लोग ही नहीं बल्कि रेगिस्तान देखने आने वाले विदेशी सैलानी भी इसी हवाई अड्डे ये यात्रा करते हैं। जोधपुर संभाग मुख्यालय के अधीन आने वाले समस्त जिले रेगिस्तानी क्षेत्र कहलाते हैं जो पर्यटन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। बाड़मेर में रिफाइनरी व औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास के कारण हवाई यात्रा की मांग निरन्तर बढ़ती जा रही है। हवाई अड्डे को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनाया जाना प्रस्तावित है जिसके लिए जमीन भी अधिग्रहित की जा चुकी है। वर्तमान में प्रतिदिन दिल्ली-जोधपुर-दिल्ली व मुम्बई-जोधपुर-मुम्बई के लिए आने व जाने के लिए दो-दो ही हवाई सेवाएं प्रारम्भ हैं जो दिन में 12.00 बजे 3.00 बजे के मध्य ही हैं, वह भी अधिकांश 1 से 2 घण्टे की देरी से चलती हैं। इसके अतिरिक्त, जोधपुर से कहीं और जाने के लिए कोई भी सीधी हवाई सेवा नहीं है जबकि आई.आई.टी., एम्स, इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टैक्नालॉजी, नेशनल लॉ स्कूल जैसे कई महत्वपूर्ण संस्थान यहाँ स्थित हैं। इसके अतिरिक्त यहाँ हैण्डीक्राफ्ट व गवार गम का अन्तर्राष्ट्रीय मार्केट होने के साथ-साथ सोलर व पवन ऊर्जा के केन्द्र स्थापित हैं। इन जिलों से प्रवासी बड़ी तादाद में देश के कोने-कोने विशेषकर बैंगलोर, मुम्बई, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, दिल्ली व अहमदाबाद आदि में बसे हैं और इनका आवागमन निरन्तर रहता है। हवाई सुविधा त्वरित न होने की वजह से इन्हें भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पिछले महीने में जोधपुर अपने वाली सभी हवाई जहाज की सीटें फुल थीं। सीटों की उपलब्धता नहीं होने के कारण पश्चिमी राजस्थान के पर्यटन, हैण्डीक्राफ्ट व गवार गम उद्योगों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। इसके अतिरिक्त दिल्ली के लिये चलने वाली मात्र दो हवाई सेवाओं में आए दिन समय पुनर्निधारण किया जाता है जिसके चलते भी समस्त यात्रियों को असुविधा होती है। यदि हवाई सेवा प्रातः व सांय काल के लिए निर्धारित की जाए तो अनेक लोगों के एक दिन के समय को बचाया जा सकता है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि दिल्ली व मुम्बई से जोधपुर हेतु प्रातः व सांयकालीन हवाई सेवा प्रारम्भ करने तथा जोधपुर से चेन्नई व बैंगलोर जैसे बड़े महानगरों के लिए भी हवाई सेवा प्रारम्भ करने की कृपा करें।